Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA

Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 02, No. 10, October. 2025

आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या की गत्यात्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता में अन्तर्सम्बन्ध

डॉ0 शैलेश सिंह

असि0प्रोफेसर भूगोल श्री गाँधी पी0जी0 कालेज मालटारी, आजमगढ़
DOI: https://doi.org/10.57067/ir.v2.i10.428

सारांश: यह अध्ययन आज़मगढ़ जनपद की विकटेश्वर तहसील की जनसंख्या गतिशीलता और जीवन गुणवत्ता के बीच संबंधों का भौगोलिक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अध्ययन में जनसंख्या वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात, कार्य संरचना, स्वास्थ्य तथा आवासीय सुविधाओं जैसे संकेतकों का उपयोग किया गया है। आँकड़ों के विश्लेषण हेतु Z-score और Spearman's Rank Correlation विधियों का प्रयोग किया गया। परिणामों से स्पष्ट हुआ कि तहसील में जीवन गुणवत्ता में उल्लेखनीय क्षेत्रीय असमानताएँ पाई जाती हैं। जहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर अधिक हैं, वहाँ जीवन स्तर ऊँचा है, जबकि सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में यह निम्न है। जनसंख्या वृद्धि और कार्यशील जनसंख्या का जीवन गुणवत्ता से हल्का सकारात्मक संबंध पाया गया, जबकि औद्योगिक रोजगार के साथ ऋणात्मक संबंध देखा गया। अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि विकटेश्वर तहसील में संतुलित क्षेत्रीय विकास हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता है।

मुख्य शब्द: आजमगढ़ जनसंख्या सांस्कृतिक पृष्ठभूमि औद्योगिकीकरण सामाजिक चेतना

भूमिका

जनसंख्या प्रत्येक राज्य का मूलभूत संसाधन होता है। किसी भी क्षेत्र के विकास में जनसंख्या की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जनसंख्या सदैव से ही भौगोलिक अध्ययन का केन्द्र बिन्दु रहा है। जनसंख्या गत्यात्मकता एक बहु आयामी शब्द है जो अलग–अलग व्यक्तियों–अध्येताओं एवं नियोजकों के लिए अलग–अलग अर्थ रखता है।

जनसंख्या की गत्यात्मकता का सीधा अर्थ जनसंख्या वृद्धि या जनसंख्या परिवर्तन से होता है। जनसंख्या की गत्यात्मकता को जनसंख्या वृद्धि, वितरण, घनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता एवं कार्यरत जनसंख्या में कालिक एवं स्थानिक परिवर्तन से जोड़ते है। तीव्र जनसंख्या वृद्धि एवं औद्योगिकीकरण के फलस्वरूप जनसंख्या की गत्यात्मकता में वृद्धि देखने को मिलती है। वस्तुतः जनसंख्या स्वयं गत्यात्मक है। समय के अनुसार इसमें वृद्धि या ह्रास भी होता रहता है। जनसंख्या गत्यात्मकता का किसी प्रदेश के परम्परागत संसाधनों पर उल्लेखनीय प्रभाव देखा जाता है। साथ ही साथ इस प्रदेश में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर से भी प्रभावित होता है। जीवन स्तर या जीवन की गुणवत्ता एक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिस पर मर्तभिन्नता स्वाभाविक है। सामान्यतः गुणवत्तापूर्ण जीवन से आशय व्यक्ति को ऐसी मूलभूत आवश्यकताओं की उचित मात्रा में उपलब्धता से होता है जिससे वह अपना सर्वोत्तम विकास कर सकें तथा गरिमापूर्ण जीवन जी सकें।

जीवन की गुणवत्ता से सम्बन्धित चरों का निर्धारण करना सरल कार्य नहीं होता परन्तु व्यक्तियों की मूलभूल आवश्यकताओं जैसे–भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन सभी के लिए आवश्यक होता है। व्यक्तियों के जीवन की ये मूलभूल आवश्यकताएँ उसके जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित ही नही करती बल्कि समाज व राष्ट्र पर भी प्रभाव डालती है।

किसी भी क्षेत्र की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, ऐतिहासिक घटनाओं एवं राजनीतिक भूदृश्य को समझने के लिए उस क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि का अध्ययन नितान्त आवश्यक हो जाता है।

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध प्रपत्र में आजमगढ़ जनपद की जनसंख्या गत्यात्मक एवं जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं।

Received **01 August 2025**; Accepted **25 September 2025**. Available online: **30 September 2025**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 02, No. 10, October. 2025

जनसंख्या गत्यात्मकता की प्रवृत्ति का स्थानिक एवं कालिक परिपेक्ष्य में अध्ययन करना।

जीवन की गुणवत्ता में क्षेत्रीय विभिन्नता का विश्लेषण।

आंकड़ो के स्रोत

प्रस्तुत शोध प्रपत्र को पूर्ण करने हेतु प्राथमिक आंकड़ों तथा द्वितीयक आंकड़ों के विभिन्न स्रोतों से आंकड़ों का सग्रह करते हुये उनका अध्ययन एवं विश्लेषण किया गया है। इसमें मुख्यतः जनगणना तथा अर्थ एवं संख्या प्रभाग द्वारा प्रकाशित सांख्यिकी पत्रिका व अन्य सरकारी विभागों से आकड़े प्राप्त किये गये है। साथ ही प्राथमिक आकड़ो हेतु सर्वेक्षण कार्य किया गया है।

शोध विधि

आजमगढ जनपद के सामाजिक आर्थिक विकास हेतु प्राथमिक सर्वेक्षण, जीवन की गुणवत्ता के आंकलन हेतु पाँच चरों–शिक्षा सूचकांक, आवासीय सुविधा सूचकांक, स्वास्थ्य सूचकांक, आर्थिक सूचकांक एवं पर्यावरणीय सूचकांक का उपयोग किया गया है। जीवन की गुणवत्ता को ज्ञात करने हेतु धनात्मक एवं ऋणात्मक दोनो प्रकार के सूचकांकों को सम्मिलित किया गया है। तथा इसका मानक प्राप्तांक ̧`बवतम को निम्न सूत्र से ज्ञात किया गया है–

$$Z\ Score = (x - \bar{x})/\sigma$$

जनसंख्या गत्यात्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता के बीच सह सम्बन्ध ज्ञात करने के लिए स्पीयरमैन के कोटि आकार सहःसम्बन्ध गुणांक विधि का उपयोग किया गया है जिसका सूत्र निम्नलिखित है।–

$$P = 1 - (6 [\sum D^2])/(N^3 - N)$$

इसमें P = कोटि सह–सम्बन्ध गुणांक

D = x और y पदो के चर युग्मों का कोटि अंतर

N = पदों की संख्या

अध्ययन क्षेत्र

तमसा के पावन तट पर स्थित यह जनपद अनेक ऋषियों की पावन पुण्य भूमि रहा है। आजमगढ़ जनपद उ0प्र0 के पूर्वांचल के जिलों में विशेष स्थान रखता है। गंगा एवं घाघरा नादियों के मध्य बसा यह जनपद मण्डल मुख्यालय भी है। इसका अक्षंशीय विस्तार 25038′ से 26027′ उत्तरी अक्षांश तथा देशान्तरीय विस्तार 82040′ से 83052′ पूर्वी देशान्तर के मध्य हैं। इस जनपद के मध्य से तमसा नदी प्रवाहित होती है तथा इसकी उत्तरी सीमा घाघरा नदी बनाती है। जनपद का कुल क्षेत्रफल 4.054 वर्ग किमी है जो उ0प्र0 के सम्पूर्ण क्षेत्रफल का 1.80ः भाग है। आजमगढ़ जनपद में कुल 8 तहसीले एवं 22 विकास खण्ड है। तहसीले–मेंहनगर, फुलपुर, लालगंज, निजामाबाद, सदर, बुढ़नपुर, सगडी एवं मार्टिनगंज है तथा विकासखण्ड अतरौलिया, कोयलया, महाराजगंज, हरैया, पवई, अहिरौला, तहबरपुर बिलरियागंज, अजमतगढ़, फूलपुर पल्हनी, मिर्जापुर, सठियांव, मार्टिनगंज, मोहम्मदपुर, रानी की सराय, जहानागंज, ठेकमा, मेहनगर, लालगंज व तरवा एवं पल्हना है।

2011 की जनगणना के अनुसार जनपद की कुल जनसंख्या 4613913 है। दशकीय जनसंख्या वृद्धि (2001–2011)–17. 11ः थी तथा यहा का जन घनत्व 1138 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है। यहाँ की साक्षरता 70.93ः तथा लिंगानुपात 1019 प्रति हजार है जो उ0प्र0 का दूसरा सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला है।

जनसंख्या की गत्यात्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता

किसी क्षेत्र विशेष में जनसंख्या की परिवर्तनशीलता को जनसंख्या गत्यात्मकता कहते है। जीवन की गुणवत्ता किसी क्षेत्र की जनसंख्या गत्यात्मकता को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित करती है। अध्ययन क्षेत्र आजमगढ़ जनपद के 22 विकासखण्डों में जनसंख्या की गत्यात्मकता के विभिन्न चरणों में जीवन की गुणवत्ता के प्रभाव का आकलन स्पीयरमैन के कोटि सह–सम्बन्ध गुणांक विधि का उपयोग करके किया गया है। जनसंख्या की गत्याम्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता के आकलन के लिए अनेक विद्वानों अपने अध्ययन में भिन्न–भिन्न सूचकांक माने है जैसे– बनर्जी ने उत्तर प्रदेश के 5 जनपदों के विकास स्तर को विकासखण्डवार ज्ञात करने हेतु 5 सूचकांको को चुना जबकि रामन एवं शर्मा ने तेलंगाना क्षेत्र के विकास स्तर निर्धारित करने हेतु 10

Received **01 August 2025**; Accepted **25 September 2025**. Available online: **30 October 2025**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA

Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 02, No. 10, October. 2025

सूचकांको को चुना। प्रस्तुत शोध प्रपत्र में आजमगढ़ जनपद के लिए 5 सूचकांकों का चयन करके जनसंख्या की गत्यात्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता के अन्तसम्बन्ध को ज्ञात किया गया है–

जीवन की गुणवत्ता सूचकांकः–

(क) शिक्षा सूचकांक

साक्षरता प्रतिशत

उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्तियों का प्रतिशत

(ख) आवासीय सुविधा सुचकांक

पक्के मकान

घरेलू सुविधा (टीवी, मोबाइल, एसी, फ्रीज)

मोटर वाहन की उपलब्धता

पाँच से अधिक कमरों वाला मकान

शौचालय की उपलब्धता

(ग) स्वास्थ्य सूचकांक

प्रति लाख व्यक्तियों पर चिकित्सालयों की संख्या

प्रति लाख जनसंख्या पर बेड/शैया की संख्या

प्रति लाख जनसंख्या पर डाक्टरों की संख्या

(घ) आर्थिक स्तर

वाणिज्य एवं व्यापार में लगी जनसंख्या का प्रतिशत

कृषि जोत आकार का प्रतिशत

महिला कार्य सहभागिता दर

(ड़) पर्यावरणीय सूचकांक

पक्की नाली द्वारा पानी की निकासी वाले परिवारो का प्रतिशत

ढ़की नाली द्वारा पानी की निकासी वाले परिवारों का प्रतिशत

आजमगढ जनपद में जीवन की गुणवत्ता का स्तर

उपर्युक्त चयनित सूचकांको में धनात्मक तथा ऋणात्मक दोनो ही प्रकार के सूचकाकों को सम्मिलित किया गया है। जो मानवीय जीवन की गुणवत्ता को किसी न किसी प्रकार अवश्य प्रभावित करते है। उपरोक्त चरणो का मानक प्राप्तांक (`बवतम) निम्न प्रकार से ज्ञात किया गया है–

$$Z\ Score = (x - \bar{x})/\sigma$$

x = विकास खण्डवार आंकड़ो का निरपेक्ष मूल्य

$\bar{x}$ = प्रत्येक चर का माध्य

□ = प्रत्येक चर का मानक विचलन

तालिका संख्या – 1

आज़मगढ जनपद :जीवन की गुणवत्ता का स्तर (2022)

क्रम संख्या	विकासखण्ड	संयुक्त सूचकांक	`बवतम
1	अतरौलिया	39.76	0.97
2	कोयलसा	38.99	0.68
3	अहिरौला	36.68	−1.66
4	महराजगंज	35.79	−0.49
5	हरैया	33.91	−1.18
6	बिलरियागंज	38.21	0.40
7	अजमतगढ	38.11	0.37
8	तहबरपुर	37.19	0.03
9	मिर्जापुर	38.00	0.32
10	मोहम्मदपुर	37.46	0.13
11	रानी की सराय	39.80	0.99
12	पल्हनी	44.29	2.65
13	सठियांव	39.18	0.76
14	जहानागंज	37.11	−0.004
15	पवई	34.85	−0.84
16	फूलपुर	39.36	0.83
17	मार्टिनगंज	36.46	−0.24
18	ठेकमा	34.16	−1.09
19	लालगंज	37.35	0.08
20	मेंहनगर	34.93	−0.81
21	तरवां	34.70	−0.89
22	पल्हना	30.35	−2.50

स्रोत : सांख्यिकी पत्रिका, आजमगढ़, 2021 के आंकड़ों द्वारा परिगणित

तालिका संख्या 2

क्रम सं0	जीवन की गुणवत्ता का स्तर	मानक प्राप्तांक `बवतम	विकासखण्डो की संख्या	विकासखण्डो के नाम
1	अति उच्च स्तर	झ1.50	1	पल्हनी
2	उच्च स्तर	0.50 से + 1.50 तक	5	अतरौलिया, कोयलसा, रानी की सराय, सठियाँव, फूलपूर
3	मध्यम स्तर	−0.50 से + 0.50 तक	10	अहिरौला, महाराजगंज, बिलरियागंज, आज़मतगढ़ तहबरपुर, मिर्जापुर, मोहम्मदपुर, जहानागंज, मार्टिनगंज, लालगंज
4	निम्न स्तर	−1.50 से −0.50 तक	5	हरैया, ठेकमा, मेंहनगर, तरवां पवई
5	अति निम्न स्तर	ढ.1ण्50	1	पल्हना

Received **01 August 2025**; Accepted **25 September 2025**. Available online: **30 October 2025**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 02, No. 10, October. 2025

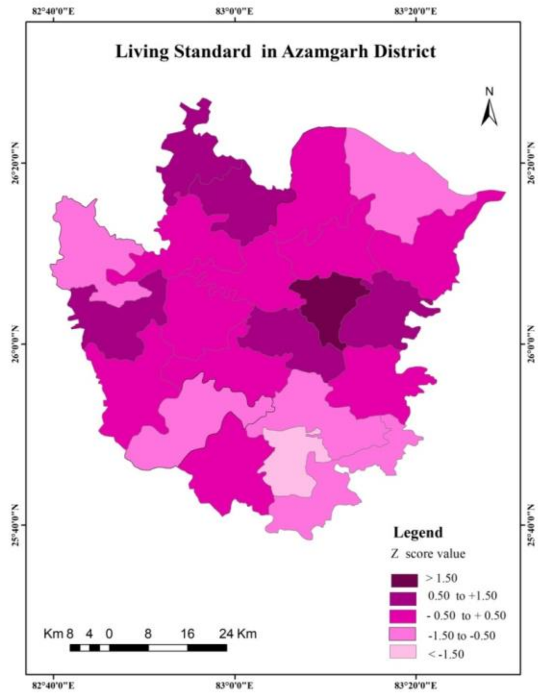

तालिका संख्या 3

आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या की गत्यात्मकता

क्रम सं0	गत्यात्मकता स्तर	कोटिमान	विकासखण्डो की संख्या	विकासखण्डो के नाम
1	अति उच्च स्तर	45 से कम	3	पवई, फूलपुर, मार्टिनगंज
2	उच्च स्तर	45–55	5	अहिरौला, मिर्जापुर, मोहम्मदपुर, जहानागंज, मेंहनगर
3	मध्यम स्तर	55–65	8	कोयलसा, हरैया, महाराजगंज, पल्हनी, बिलरियागंज, रानी की सराय, ठेकमा, लालगंज
4	निम्न स्तर	65–75	4	तहबरपुर, सठियांव, तरवां, पल्हना
5	अति निम्न स्तर	75 से अधिक	2	अतरौलिया व अजमतगढ

तालिका –4

जनंसख्या की गत्यात्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता में सम्बन्ध

क्रम संख्या	विकासखण्ड	जीवन की गुणवत्ता	कोटी	साक्षरता में गत्यात्मकता (:में) 2001–2011	कोटि	जनसंख्या वृद्धि में गत्यात्मकता (:में) 2001–2011	कोटि	कार्यशील जनसंख्या में गत्यात्मकता (:में) 2001–2011	कोटि	पारिपारिक उद्योग में कार्यरत जनसंख्या गत्यात्मकता (:में) 2001–2011	कोटि	अन्य सेवााओं में कार्यरत जनसंख्या गत्यात्मकता (:में) 2001–2011	कोटि	जनसंख्या गत्यात्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता (कोटिमानं) 2001–2011	कोटि
1	अतरौलिया	0.97	3	14.3	15	10.25	22	11.48	12	–25.03	19	40.82	11	79	1.5
2	कोयलसा	0.68	5	14.4	14	13.78	19	15.49	7	–8.68	15	61.81	5	60	12
3	अहिरौला	–1.66	21	16.1	1.5	18.77	7	6.26	18	–9.02	16	31.96	12	54.5	15
4	महराजगंज	–0.49	15	16.1	1.5	15.81	15	–9.26	22	–3.49	13	30.86	13	64.5	7
5	हरैया	–1.18	20	15.6	5	16.21	12	7.73	17	–17.75	17	48.04	8	59	13
6	बिलरियागंज	0.40	7	14.9	10.5	19.75	3	2.00	19	–2.38	11	26.74	17	60.5	11
7	अजमतगढ	0.37	8	13.3	18	13.95	18	16.54	6	–22.71	18	21.82	19	79	1.5
8	तहबरपुर	0.03	12	14.7	13	15.95	14	–0.64	21	–2.59	12	30.43	14	74	3.5
9	मिर्जापुर	0.32	9	15.0	8	18.30	8	9.30	14	–4.63	14	44.17	9	53	16
10	मोहम्मदपुर	0.13	10	14.9	10.5	15.40	16	14.38	9	44.26	3	44.04	10	48.5	18
11	रानी की सराय	0.99	2	13.0	19	15.96	13	13.45	10	55.11	2	24.57	18	62	9
12	पल्हनी	2.65	1	14.9	10.5	22.36	1	20.49	4	–38.96	20	20.99	20	55.5	14
13	सठियाँ	0.76	6	15.3	6	21.83	2	8.39	15	–54.54	22	3.93	22	67	6
14	ज्हानागंज	–0.004	13	12.9	20	19.11	4	27.78	2	–50.68	21	71.22	2	49	17
15	पवई	–0.84	17	14.9	10.5	18.85	6	18.33	5	22.73	6	50.13	6	33.5	20
16	फूलपूर	0.83	4	16.0	3	18.86	5	10.77	13	1.48	10	76.35	1	32	21
17	मार्टिनगंज	–0.24	14	15.8	4	17.28	10	31.51	1	57.17	1	70.20	3	19	22
18	ठेकमा	–1.09	19	15.2	7	14.15	17	7.86	16	21.90	7	26.80	16	63	8
19	लालगंज	0.08	11	12.7	21	12.81	20	15.09	8	11.31	8	64.66	4	61	10
20	मेंहनगर	–0.81	16	13.4	17	18.19	9	24.78	3	38.33	4	28.96	15	48	19
21	तरवां	–0.89	18	12.6	22	16.91	11	12.06	11	6.98	9	15.30	21	74	3.5
22	पल्हना	–2.50	22	13.07	16	10.44	21	1.83	20	25.28	5	49.12	7	69	5
सह सम्बन्ध गुणांक(च)				च्त्र.0ण्13		च्त्र0ण्15		च्त्र0ण्27		च्त्र.0.27		च्त्र.0ण्16		च्त्र0ण्06	

स्रोत : सांख्यिकी पत्रिका, आजमगढ़, 2021 के आंकड़ों द्वारा परिगणित

तालिका संख्या 5

जनसंख्या की गत्यात्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता के मध्य सह–सम्बन्ध

क्रम सं0	अनाश्रित चर	आश्रित चर	सह–सम्बन्ध
1	साक्षरता में गत्यात्मकता	जीवन की गुणवत्ता	–0.13
2	जनसंख्या वृद्धि में गत्यात्मकता	जीवन की गुणवत्ता	+0.15
3	कार्यशील जनसंख्या में गत्यात्मकता	जीवन की गुणवत्ता	+0.27
4	परिवारिक उद्योग में कार्यरत जनसंख्या की गत्यात्मकता	जीवन की गुणवत्ता	–0.27
5	अन्य सेवाओं में कार्यरत जनसंख्या में गत्यात्मकता	जीवन की गुणवत्ता	–0.16
6	जनसंख्या की गत्यात्मकता	जीवन की गुणवत्ता	+0.06

Received **01 August 2025**; Accepted **25 September 2025**. Available online: **30 October 2025**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

जनसंख्या की गत्यात्मकता और जीवन की गुणवत्ता में अन्तर्सम्बन्ध

जनसंख्या गत्यात्मकता का अर्थ किसी क्षेत्र विशेष में जनसंख्या की परिवर्तनशीलतासे हैं इसके अन्तर्गत जनसंख्या के कालिक एवं क्षेत्रीय परिवर्तनशीलता का अध्ययन किया जाता है। जनसंख्या गत्यात्मकता में जनसंख्या की वृद्धि घनत्व एवं उसका क्षेत्रीय वितरण सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास हेतु स्त्री पुरुष अनुपात साक्षरता तथा व्यावसायिक संरचना में परिवर्तन का अध्ययन किया जाता है जबकि जीवन की गुणवत्ता में मानव जीवन के मौलिक आवश्यकताओं से संबंधित भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ–साथ भौतिक विलासिता से संबंधित वस्तुओं जैसे– टीवी, फ्रिज, एसी, मोबाइल, मोटर वाहन, कूलर आदि की आवश्यकता है। अध्ययन क्षेत्र आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या गत्यात्मकता के अन्तर्गत साक्षरता जनसंख्या वृद्धि कार्यशील जनसंख्या पारिवारिक उद्योग में कार्यरत जनसंख्या अन्य सेवाओं में कार्यरत जनसंख्या के गत्यात्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन किया गया है। इन विभिन्न चरों का समेकित कोटि क्रम ज्ञात कर जनसंख्या की गत्यात्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता का कोटि सहसंबंध ज्ञात किया गया है। इन दोनों चरों का कोटि सहसंबंध गुणांक +0.06 है। जिसमें सूक्ष्म एवं नागण्य सहसम्बन्ध हैं। आजमगढ़ जनपद में जीवन की गुणवत्ता एवं जनसंख्या की गत्यात्मकता का विकासखण्ड स्तर पर अध्ययन करने के लिए जनसंख्या के गत्यात्मकता के विभिन्न चरणों का मानक कोटि क्रम के योग को आधार मानकर इसे निम्न पांच वर्गों में वर्गीकृत करके अध्ययन किया गया है। इस कोटि के योग में सबसे कम अंक पाने वाले विकासखण्ड को अति उच्च स्तर में और क्रमश अधिक अंक पाने वाले विकासखण्डों का क्रमशः घटते क्रम में रखा गया है।

अति निम्न जनसंख्या की गत्यात्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता में अन्तर्सम्बन्ध (75 से अधिक कोटिमान)–

जनसंख्या गत्यात्मकता और जीवन की गुणवत्ता में अन्तर्सम्बन्ध की इस श्रेणी के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के उन विकासखण्डों को रखा गया है जिनकी जनसंख्या गत्यात्मकता के कोटिमान 75 से अधिक पाई जाती है। इस प्रकार इस श्रेणी के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के दो विकासखण्ड आते हैं जो अध्ययन क्षेत्र के कुल विकासखण्डों के 9.09ः भाग का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन विकासखण्डों में अतरौलिया (79), अजमतगढ़ (79) विकासखण्ड आते हैं। इन विकासखण्डों में से अतरौलिया अध्ययन क्षेत्र के पश्चिमोत्तर भाग में व अजमतगढ़ अध्ययन क्षेत्र के पूर्वोत्तर भाग में अवस्थित हैं। अतरौलिया विकासखण्ड में जीवन की गुणवत्ता उच्च स्तर की व अजमतगढ़ विकासखण्ड में मध्यम स्तर की पायी जाती है। इस प्रकार स्पष्ट है कि इन विकासखण्डों में जीवन की गुणवत्ता व जनसंख्या गत्यात्मकता का संबंध में समरूपता नहीं पाई जाती है।

निम्न जनसंख्या गत्यात्मकता और जीवन की गुणवत्ता में अन्र्तसम्बन्ध (65–75 कोटिमान तक)–

जनसंख्या गत्यात्मकता और जीवन की गुणवत्ता में अन्तर्सम्बन्ध की इस निम्न श्रेणी के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के उन विकासखण्डों को रखा गया है जिनकी जनसंख्या गत्यात्मकता की कोटिमान 65 से लेकर 75 तक पायी जाती है। इस प्रकार इस श्रेणी के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के चार विकासखण्ड आते हैं जो अध्ययन क्षेत्र के कुल विकासखण्डों का 18.18ः भाग का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन विकासखण्डों में तहबरपुर (74), सठियांव (67), तरवां (74) व पल्हना (69) विकासखण्ड आते हैं। इन विकासखण्डों में सठियांव अध्ययन क्षेत्र के पूर्वी भाग में अवस्थित है जबकि तरवां व पल्हना विकासखण्ड आपस में मिलकर अध्ययन क्षेत्र के दक्षिणी भाग में एक मेखला का निर्माण करते हैं। तरवां विकासखण्ड में जीवन की गुणवत्ता और जनसंख्या गत्यात्मकता में समरूपता पायी जाती है वहीं पल्हना विकासखण्ड में जीवन की गुणवत्ता अति निम्न स्तर की पायी जाती है जबकि सठियांव विकासखण्ड में जीवन की गुणवत्ता उच्च स्तर की पायी जाती है। इस प्रकार इन दोनों विकासखण्डों में जीवन की गुणवत्ता व जनसंख्या गत्यात्मकता में एकरूपता नहीं पाई जाती है।

मध्यम स्तरीय जनसंख्या गत्यात्मकता और जीवन की गुणवत्ता में अन्तर्सम्बन्ध (55–65 कोटिमान तक)–

Received 01 August 2025; Accepted 25 September 2025. Available online: 30 October 2025. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 02, No. 10, October. 2025

जनसंख्या गत्यात्मकता और जीवन की गुणवत्ता में अन्तर्सम्बन्ध की इस श्रेणी में अध्ययन क्षेत्र के उन विकासखण्डों को रखा गया है जिनकी जनसंख्या गत्यात्मकता की कोटिमान 55–65 तक पायी जाती है। इस प्रकार इस श्रेणी के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के सर्वाधिक 8 विकासखण्ड आते हैं जो अध्ययन क्षेत्र के कुल विकासखण्डों के 36.36ः भाग का प्रतिनिधित्व करते हैं इन विकासखण्डों में कोयलसा (60 कोटिमान), महराजगंज (64.5 कोटिमान), हरैया (59कोटिमान), बिलरियागंज (60.5कोटिमान), रानी की सराय (62 कोटिमान), पल्हनी (55.5 कोटिमान), ठेकमा (63 कोटिमान), लालगंज (61 कोटिमान) विकासखण्ड सम्मिलित है। इन विकासखण्डों में से ठेकमा व लालगंज मिलकर अध्ययन क्षेत्र के दक्षिण भाग में एक मखला का निर्माण करते हैं जबकि कोयलसा, महाराजगंज, हरैया, बिलरियागंज, पल्हनी, रानी की सराय विकासखण्ड आपस में मिलकर अध्ययन क्षेत्र के उत्तरी व मध्यवर्ती भाग में एक विस्तृत मेखला का निर्माण करते हैं। इन विकासखण्डों में से कोयलसा व रानी की सराय विकासखण्ड में जीवन की गुणवत्ता का स्तर उच्च व पल्हनी में अति उच्च पाई जाती है। जबकि तीन विकासखण्डों महाराजगंज, बिलरियागंज व लालगंज में जीवन की गुणवत्ता मध्यम स्तर की पाई जाती है वही हरैया व ठेकमा विकासखण्ड में जीवन की गुणवत्ता निम्न स्तर की पाई जाती है। इस प्रकार स्पष्ट है कि इस श्रेणी के विकासखण्डों में जनसंख्या की गत्यात्मकता और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में एकरूपता नहीं है। इस श्रेणी में आठ विकासखण्डों में से तीन में जनसंख्या गत्यात्मकता व जीवन की गुणवत्ता में एकरूपता पाई जाती है जबकि अन्य 5 विकासखण्डों में जीवन की गुणवत्ता कही कम कहीं अधिक है।

उच्च स्तरीय जनसंख्या की गत्यात्मकता और जीवन की गुणवत्ता में अर्न्तसम्बन्ध (45–55 कोटिमान के मध्य)–

जनसंख्या गत्यात्मकता और जीवन की गुणवत्ता में अन्तर्सम्बन्ध की इस श्रेणी के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के उन विकासखण्डों को रखा गया है जिनकी जनसंख्या गत्यात्मकता के सूचकांकों का कोटिमान 45–55 के मध्य पायी जाती है इस प्रकार इस उच्च श्रेणी के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के पांच विकासखण्ड आते हैं जो अध्ययन क्षेत्र के कुल विकासखण्डों का 22.73ः भाग का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस श्रेणी के विकासखण्डों में अहिरौला (54.5 कोटिमान), मिर्जापुर (53 कोटिमान), मोहम्मदपुर (48.5 कोटिमान), जहानागंज (49 कोटिमान) व मोहम्मदपुर (48 कोटिमान) विकासखण्ड सम्मिलित है। इन विकासखण्डों में से अहिरौला अध्ययन क्षेत्र के पश्चिमोत्तर भाग में अवस्थित है जबकि अन्य सभी विकासखण्ड आपस में मिलकर अध्ययन क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग से पूर्वी भाग तक एक विस्तृत पेटी का निर्माण करते हैं मेंहनगर विकासखण्ड में जीवन की गुणवत्ता निम्न स्तर की पायी जाती है जबकि अहिरौला, मिर्जापुर, मोहम्मदपुर, जहानागंज विकासखण्ड में जीवन की गुणवत्ता मध्यम स्तर की पाई जाती है। इस प्रकार इन विकासखण्डों में जीवन की गुणवत्ता और जनसंख्या गत्यात्मकता के मध्य अन्तर्सम्बन्ध में एकरूपता नहीं पायी जाती।

अति उच्च स्तरीय जनसंख्या की गत्यात्मकता और जीवन की गुणवत्ता के मध्य अन्तर्सम्बन्ध (कोटिमान 45 से कम)–

जनसंख्या गत्यात्मकता और जीवन की गुणवत्ता के मध्य अन्तर्सम्बन्ध की इस अति उच्च श्रेणी में अध्ययन क्षेत्र के उन विकासखण्डों को रखा गया है जिनकी जनसंख्या गत्यात्मकता सूचकांकों के कुल कोटियों का योग 45 से कम आता है। इस प्रकार इस श्रेणी में अध्ययन क्षेत्र के तीन विकासखण्ड आते हैं जो अध्ययन क्षेत्र के कुल विकासखण्डों का 13.64ः भाग का प्रतिनिधित्व करता है इन विकासखण्डों में पवई (33.5 कोटिमान), फूलपुर (32 कोटिमान) व मार्टिनगंज (19 कोटिमान) विकासखण्ड सम्मिलित है यह तीनों विकासखण्ड अध्ययन क्षेत्र के पश्चिमी भाग में मिलकर एक विस्तृत मेखला का निर्माण करते हैं फूलपुर विकासखण्ड में जीवन की गुणवत्ता उच्च स्तर की, पवई विकासखण्ड में जीवन की गुणवत्ता निम्न स्तर की व मार्टिनगंज विकासखण्ड में जीवन की गुणवत्ता मध्यम स्तर की पाई जाती है। इस प्रकार इस श्रेणी के विकासखण्डों में जनसंख्या गत्यात्मकता और जीवन की गुणवत्ता के मध्य सहसंबंध में समरूपता नहीं पायी जाती है।

Received **01 August 2025**; Accepted **25 September 2025**. Available online: **30 October 2025**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या वृद्धि दर अधिक है जो जीवन गुणवत्ता को प्रभावित करता है। यहाँ स्वास्थ्य सेवायें बहुत अच्छी स्थिति में नहीं है इन स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि से जीवन की गुणवत्ता पर अधिक सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जनसंख्या वृद्धि दर का अधिक होना, रोजगार के अवसरों की कमी के फलस्वरूप अनेक प्रकार की समस्याएँ (जैसे– भोजन, आवास, प्रदूषण से सम्बन्धित) उत्पन्न होती है। साक्षरता में वृद्धि, कृषि के पिछड़ेपन को दूर करके, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करके लोगों के जीवन स्तर को उच्च किया जा सकता है जिसमें जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि की जा सके।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :

राय अनूप (2007) : मालवा प्रदेश (म0प्र0) की जनसंख्या को गत्यात्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता (शोध प्रबन्ध), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

सिंह शैलेश (2022) : जनसंख्या की गत्यात्मकता एवं जीवन की गुणवत्ता : आजमगढ़ जनपद का प्रतीक अध्ययन (शोध प्रबन्ध) दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

Banergee, S. (1989) : Infra District Imbalances in Development of social Infrastructure in Rural Area of UP. GeographicalRaven of India, Vol 51 No 3, pp 17-32

Raman, K.V. and Sharma PV (1979) : Disparity in Development. A block level study in telangana Region, Indian Journal of Regional Science Vol XI, No., PP 55-67

सांख्यकीय पत्रिका (2014) : जनपद आजमगढ़

भारत की जनगणना (2011)

Gupta F.C. ¼1982½ % The middle Ganga Ghaghva Doab: Astudy in population Geography Allahabad University Allahabad

विश्वकर्मा रेखाः बलरामपुर जनपद में जनसंख्या की गत्यात्मक भूतल दिग्दर्शन शोध पत्रिका जून–दिसम्बर 2016

Received **01 August 2025**; Accepted **25 September 2025**. Available online: **30 October 2025**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License